डगमग नैया डोलती वाल्मीकि करतार भजन लिरिक्स

डगमग नैया डोलती,
वाल्मीकि करतार,
तोरे बिना मझधार में,
कौन लगाए पार,
कौन लगाए पार।bd।

किसे पुकारे गोमती,
कहाँ करें फरियाद,
मेरा भरोसा आप हो,
जैलोकी के नाथ,
किसे पुकारे गोमती,
कहाँ करें फरियाद,
मेरा भरोसा आप हो,
जैलोकी के नाथ,
दासी की हर भूल को,
बख्श दे यो दातार,
तोरे बिना मझधार में,
कौन लगाए पार,
कौन लगाए पार।bd।

आशा है विश्वास है,
करोगे पूरण आस,
मेरे लाल कनोज की,
फिर से जिएगी लाश,
आशा है विश्वास है,
करोगे पूरण आस,
मेरे लाल कनोज की,
फिर से जिएगी लाश,
प्रगट हो परमात्मा,
बीत गए दिन चार,
तोरे बिना मझधार में,
कौन लगाए पार,
कौन लगाए पार।bd।

दर्द मेरे का राहीया,
सागर बड़ा विशाल,
वाल्मीकि बिना आपके,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हाल हुए बेहाल,
दर्द मेरे का राहीया,
सागर बड़ा विशाल,
वाल्मीकि बिना आपके,
हाल हुए बेहाल,
आदि कवि संसार के,
आप हो तारणहार,
तोरे बिना मझधार में,
कौन लगाए पार,
कौन लगाए पार।bd।

डगमग नैया डोलती,
वाल्मीकि करतार,
तोरे बिना मझधार में,
कौन लगाए पार,
कौन लगाए पार।bd।

Singer – Rakesh Rahi
Upload By – Satbir
9356661004

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com